गोरखपुर। सोमवार • 24 अक्टूबर • 2016

राष्ट्रीय सहारा

राष्ट्रीयता ■ कर्त्तव्य ■ समर्पण

सपा-बसपा को हटाए बिना प्रदेश की तरक्की नहीं : कृषि मंत्री

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

जंगल कौड़िया/जसवल बाजार।

केंद्रीय कृषि मंत्री राधामोहन सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश की सत्ता से सपा बसपा को हटाए बिना तरक्की नहीं होगी। विकास का मार्ग सुगम तभी होगा जब प्रदेश मं भाजपा की सरकार बने।

उन्होने पीपीगंज क्षेत्र के चौकमाफी में पूर्वी उत्तर प्रदेश के पहले कृषि विज्ञान केन्द्र का यहां शिलान्यास एवं द्विदिवसीय पूर्वांचल कृषि प्रदर्शनी व गोष्ठी के उद्घाटन के अवसर पर उक्त बात कही। उन्होने कहा कि केंद्र किसानो के लिए वरदान साबित होगा। किसानो को उन्नतशील बीज के साथ साथ अधिक पैदावार देने वाले प्रमाणित बीज एवं मिट्टी के परीक्षण की सुविधा किसानों को सहज उपलब्ध होगी। श्री सिंह ने कहा कि भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यह मानना है कि जहां अन्य देशों में जमीन को भूमि का एक टुकड़ा मात्र माना जाता है वहीं अपने देश में भूमि को टुकड़ा नही बल्कि माता माना जाता है। हम सब अपनी मां को प्यासा नही रहने देंगे। यह हम सब की जिम्मेदारी बनती है कि जो माता हमे अन्न देती है उस भूमि को हम और उर्वर बनाये। उन्नतशील बीज का निर्माण कर प्रयोग करें। मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने केप्रयास किए जाएं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सदर सांसद योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहली बार हिन्दुस्तान में ऐसा प्रतीत हुआ है कि कृषि मंत्रालय जैसा विभाग नही होता है। जब से मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनी है तब से किसानो के हित के लिए अनेक योजनाओं का संचालन किया जा रहा है । इसी को पूरा करने के लिए पूर्वी उत्तर प्रदेश में कृषि विज्ञान केन्द्र की स्थापना की गई। योगी ने कहा कि जिस देश में 70 फीसदी आबादी कृषि पर आश्रित हो उस देश में किसानो को पूर्व की सरकारों ने नजर -शेष पेज 2

सपा बसपा को हटाए बिना...

अंदाज कर दिया था आज भाजपा की सरकार ने यह साबित कर दिया कि कृषि प्रधान देश के किसानो के उत्थान के प्रति हम दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा सूखा राहत के लिए दिया गया लगभग पांच हजार करोड़ रु का सपा सरकार ने बंदर बांट किया। जिससे किसानों को अपेक्षित लाभ नहीं मिला। शिलान्यास के अवसर पर कैम्पियरगंज के विधायक फतेहबहादुर सिंह ने कहा कि भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सोच को जन-जन तक पहुंचाना हम सब का दायित्व है। उनकी सोच -सबका साथ, सबका विकास आज चरितार्थ हो रहा है। आज जो किसान हम सबके लिए अन्न पैदा करता है और आये दिन तकनीकी अभाव उन्नतशील बीज के अभाव में नुकसान का सामना करता था अब उसे घबराने एवं विचलित होने की जरुरत नही है। शिलान्यास के अवसर पर द्विदिवसीय पूर्वांचल कृषि प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। कृषि राष्ट्रीय निगम लिमटेड भारत सरकार गोरखपुर एनवारमेन्टल एक्शन ग्रुप, गोरखपुर दीनदयाल शोध संस्थान , कृषि विज्ञान केन्द्र गोण्डा, उत्तर प्रदेश गन्ना किसान संस्थान प्रशिक्षण केन्द्र गोरखपुर कई और संस्थओं ने स्टाल लगाकर किसानो को लाभान्वित कियाँ। इस अवसर पर उप महानिदेशक कृषि विज्ञान केन्द्र दिल्ली एके सिंह, निदेशक भारतीय सब्जी अनुसंधान बाराबंकी डा. वी सिंह, निदेशक भारतीय कृषि अनुसंधान केन्द्र कानपुर डा. युएस गौतम, निदेशक गन्ना अनुसंधान लखनऊ डा. एवी पाठक, डा. अतर सिंह, डा. एके दूबे, सुरेश दास, महेन्द्र पाल, ब्लाक प्रमुख जंगल कौड़िया बृजेश यादव, सुनील सिंह, महेन्द्र मिश्र, मकसूदन मिश्र, मृत्युंजय सिंह, विजयशंकर यादव, उपजिलाधिकारी कैम्पियरगंज पूजा मिश्रा, अतुल सिंह सहित तमाम लोग उपस्थित रहें।

गोरखपुर : पूर्वांचल कृषि प्रदर्शनी को संबोधित करते केन्द्रीय कृषि मंत्री राधेमोहन सिंह।

किसानों की असली मुजरिम कांग्रेस

- कांग्रेस के राज में किसानों के लिए सिर्फ बातें हुईं, किया कुछ नहीं
- उत्तर प्रदेश में खुलेंगे 20 नए कृषि विज्ञान केंद्र, इसमें से पहला केंद्र गोरखपुर में

कार्यक्रम को संबोधित करते केंद्रीय मंत्री राधा मोहन सिंह, मंचासीन सांसद योगी आदित्यनाथ व अन्य।

जागरण संवाददाता गोरखपुर : केंद्र सरकार उत्तर प्रदेश में 20 नए कृषि विज्ञान केंद्र खोलेगी। इसमें से पहला केंद्र गोरखपुर के जंगल कैडिया ब्लाक के चौकमाफी में खुल गया है। इसका नाम गुरु गोरक्षनाथ कृषि विज्ञान केंद्र रखा गया है। इसका उद्घाटन केंद्रीय कृषि मंत्री राधा मोहन सिंह ने रविवार को किया।

कृषि मंत्री ने बताया कि गोरखपुर में शुरू कृषि विज्ञान केंद्र में 10 वैज्ञानिकों तैनात होंगे। यहां से किसानों का प्रशिक्षण केंद्र, पांच एकड़ में बीज उत्पादन केंद्र, केले का टीशू कल्चर केंद्र भी संचालित होंगे।

कृषि मंत्री ने कहा कि देश को आजाद हुए 70 साल से अधिक हो गए, लेकिन किसानों का विकास उस गति से नहीं हुआ जिस गति से उद्योगों एवं अन्य व्यवसायों का हुआ। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण कांग्रेस की गलत नीतियां रही हैं। सच्चाई यह है कि किसानों की असली मुजरिम कांग्रेस है, जिसने साठ साल तक देश पर राज किया, लेकिन खेती-बारी और किसानों के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि देश में इस समय 106 बड़े कृषि शोध केंद्र हैं, लेकिन कांग्रेस की गलत नीतियों के कारण इन केंद्रों में हुए शोध किसानों के खेतों तक नहीं पहुंच सके। यही वजह है कि आज भी करीब 75 फीसद खेती मानसून पर निर्भर है। हम जितना खाते हैं उसका आधा दाल ही पैदा करते हैं। अब ऐसा नहीं होगा। काम शुरू हो गया है। कृषि और किसानों के विकास का शुभारंभ तो मोदी सरकार ने किया है। सरकार के निर्णय इस बात के प्रतीक हैं कि किसानों की भलाई सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है।

बतौर अध्यक्ष गोरक्षपीठाधीश्वर एवं सांसद योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पूर्वांचल की माटी उर्वरा है। प्रचुर मात्रा में पानी है और मानव संसाधन भी। यहां के किसान भी मेहनती हैं। तकनीकी ज्ञान की कमी और समय से गुणवत्ता के कृषि निवेश उपलब्ध न होने के कारण वे मात खाते हैं। यकीनन नया केवीके इन कमियों की भरपाई करेगा। भरोसा दिया कि मेरा हरसंभव प्रयास होगा कि इसका शुमार देश के श्रेष्ठतम केवीके में हो। साथ ही गोरखपुर में एक वेटरनरी (पशु चिकित्सा) कालेज खोलने की मांग भी की। इसके लिए जरूरत के अनुसार जमीन उपलब्ध कराने का भी भरोसा दिया।

कैंपियरगंज के विधायक फतेहबहादुर सिंह ने केवीके के पहल के लिए योगी और इसे परवान चढ़ाने के लिए केंद्रीय कृषि मंत्री का आभार जताया। भरोसा जताया कि ये केंद्र क्षेत्र के मेहनतकश किसानों की उम्मीद बनेगा।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उपनिदेशक प्रसार डा.एके सिंह ने कहा कि अब देश के किसी भी कोने में खेती-बारी और पशुपालन पर होने वाले शोध का लाभ इस केंद्र के जरिये यहां के किसानों को भी मिलेगा। किसानों को जायद का रकबा बढ़ाने की सलाह दी।

कार्यक्रम में कानपुर अटारी के निदेशक डा.एके गौतम, भारतीय गन्ना अनुसंधान परिषद के निदेशक डा.ए.पाठक, भारतीय सब्जी अनुसंधान परिषद के निदेशक वी सिंह के अलावा विभिन्न संस्थाओं के कृषि वैज्ञानिक और अन्य लोग मौजूद थे।

प्रमुख लोगों में डा.आरसी चौधरी, प्रो. सीएम सिंह, डा.अशोक राय, डा.अजय, डा.एसके तोमर, डा.संजीत, डा.एसपी सिंह, डा.एसके सिंह, महंत सुरेश दास, डा.समीर सिंह, ब्रजेश यादव, मृत्युंजय सिंह, विपिन सिंह, डा.रतनपाल सिंह, डा.धर्मेंद्र सिंह, राकेश सिंह बघेल, इंजीनियर पीके मल्ल, महेंद्र मिश्रा, रमाकांत निषाद, संगम दूबे, वीर सिंह सोनकर, शीतल पांडेय, लालजी सिंह, गजेंद्र प्रताप सिंह, सुनील सिंह और अश्वनी त्रिपाठी आदि। राकेश श्रीवास्तव और साथियों के लोकगीत को सबने सराहा और आनंद लिया।

गोरखपुर को मिला दूसरा केवीके

बेलीपार के बाद यह गोरखपुर को दूसरा केवीके होगा। बेलीपार का केंद्र कृषि एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय फैजाबाद से संबद्ध है। नये केंद्र का संचालन गुरु गोरक्षनाथ सेवा संस्थान करेगा। संस्था ने ही मानक के मुताबिक केंद्र के लिए 50 एकड़ भूमि मुहैया कराई है। नए केंद्र में एक ही छत के नीचे खेती-बारी एवं पशुपालन के अद्यतन तौर-तरीकों की जानकारी उपलब्ध होगी। जरूरत के मुताबिक यहां के वैज्ञानिक किसानों को फसल संरक्षा और सुरक्षा के उपायों के बाबत भी बताएंगे। अद्यतन तकनीक और प्रजातियों का चुने किसानों के खेतों पर प्रदर्शन भी कराया जाएगा।

एक नजर नए संस्थान पर

- 16 लोगों की नियुक्ति होगी। प्रभारी की नियुक्ति दो से तीन दिन में शुरू हो जाएगी ताकि शुरू होने वाले काम की निगरानी हो सके।
- तीन माह में नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।
- महीने भीतर यहां मिट्टी की जांच होने लगेगी।
- इसी दौरान केंद्रीय वारा अनुसंधान केंद्र के विशेषज्ञ यहां आकर किसानों को उन्नत किस्म के पौष्टिकता से भरपूर चारे की फसलों के बारे में बताएंगे। सीमित मात्रा में किसानों को बीज भी उपलब्ध कराएंगे।
- केंद्र के पांच एकड रकबे में टिश्यू कल्चर केले के पौध भी तैयार किए जाएंगे। विभिन्न फसलों के बीजों का भी उत्पादन होगा।
- प्रदेश में खोले जाने वाले 20 नए केंद्रों में यह पहला केंद्र है, जिसका शिलान्यास हुआ है।

कृषि मंत्री ने किया प्रगतिशील किसानों का सम्मान

इस मौके पर केंद्रीय कृषि मंत्री ने प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। इनके नाम हैं- इंद्र प्रकाश सिंह, अरविंद कुमार सिंह, राम उजागिर चौधरी, नुरुल हक, अमेरिकन खरवार, जनार्दन यादव और सूरज सिंह आदि।